विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा -षष्ठ दिनांक -11-09-2020

विषय -हिन्दी विषय शिक्षक - पंकज कुमार

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज सी, सी, ए, के अन्तर्गत प्रेरक सुविचार के बारे में अध्ययन करेंगे।

विद्यार्थी जीवन में कभी-कभी ऐसे पल भी आते हैं, जब छात्र पूरी तरह हताश हो जाते हैं। ऐसी स्थिति का खासकर परीक्षा के समय सामना करना पड़ता है। अगर आप या आपकी पहचान का कोई भी छात्र इस स्थिति से गुजर रहा है, तो यह लेख मददगार साबित हो सकता है। ये सुविचार न सिर्फ आपको प्रेरित करेंगे, बल्कि आपके अंदर सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाने का काम करेंगे।

लेख में सबसे पहले छात्रों के लिए स्वामी विवेकानंद के प्रेरक विचारों के बारे में बताया जा रहा है :

1. उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो।
2. खुद को कमजोर समझना सबसे बड़ा पाप है।
3. तुम्हें कोई पढ़ा नहीं सकता, कोई आध्यात्मिक नहीं बना सकता। तुमको सब कुछ खुद अंदर से सीखना हैं। आत्मा से अच्छा कोई शिक्षक नहीं हैं।
4. सत्य को हजार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।
5. बाहरी स्वभाव केवल अंदरूनी स्वभाव का बड़ा रूप है।
6. एक समय में एक काम करो और ऐसा करते समय अपनी पूरी आत्मा उसमें डाल दो और बाकी सब कुछ भूल जाओ।
7. जब तक जीना, तब तक सीखना – अनुभव ही जगत में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक है।
8. जब तक आप खुद पर विश्वास नहीं करते, तब तक आप भगवान पर विश्वास नहीं कर सकते।
9. जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है, यह अग्नि का दोष नहीं हैं।

10. चिंतन करो, चिंता नहीं, नए विचारों को जन्म दो।
11. साधारण और श्रेष्ठ में सिर्फ इतना सा अंतर है कि साधारण उसको चुनता है, जो आसान है, लेकिन श्रेष्ठ उसे चुनता है, जो मुश्किल है।
12. जिंदगी एक खेल है, यदि आप इसे खिलाड़ी की तरह खेलते हो, तो जीत सकते हो, लेकिन अगर दर्शक की तरह देखते हो, तो बस ताली बजा सकतो हो या दुखी हो सकते हो, लेकिन जीत नहीं सकते।
13. सफलता का मिलना तय है, देखना तो यह है कि आप उसकी कितनी कीमत चुकाने को तैयार हैं।
14. आपका आने वाला कल कैसा होगा, यह इस पर निर्भर करता है कि आप आज अपने बारे में क्या सोचते हैं।